

## राजभाषा अनुभाग

मानव संसाधन विभाग, प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु

# श्री सुमीत जैरथ, आई.ए.एस., सचिव राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु का दौरा

श्री सुमीत जैरथ, आई.ए.एस., सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 30.07.2021 को केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु का ऐतिहासिक दौरा किया और राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में केनरा बैंक द्वारा किए जा रहे अभिनव पहल को सराहा। इस अवसर पर बैंक द्वारा राजभाषा ई-संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में श्री राजेश श्रीवास्तव, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण) और श्री विक्रम सिंह सोढी, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्री एल.वी. प्रभाकर, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ श्री देवाशीष मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक, सुश्री ए मणिमेखलै, कार्यपालक निदेशक, श्री के सत्यनरायण राजू, कार्यपालक निदेशक और श्री बृजमोहन शर्मा, कार्यपालक निदेशक मौजूद रहे। समारोह के दौरान बैंक के बेंगलूरु स्थित सभी विभागों के प्रमुख सभागार में उपस्थित रहे। कार्यालय के दूरस्थ विभागों के प्रमुख, केनरा बैंक के सभी अंचल कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में पदस्थ राजभाषा अधिकारी ऑनलाइन के माध्यम से जुड़े थे। नराकास (बैंक), बेंगलूरु के सदस्य बैंकों के कार्यालय प्रमुख अपने राजभाषा अधिकारियों के साथ ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े थे।

समारोह की शुरुआत ईश वंदना से हुई। तदुपरांत मुख्य अतिथि द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर केनरा बैंक के संस्थापक को श्रद्धा-सुमन अर्पित किया गया। इसके पश्चात केनरा गीत की प्रस्तुति हुई।

मुख्य अतिथि का स्वागत परंपरागत ढंग से कर्नाटक राज्य के रीति-रिवाज के अनुसार श्री एल.वी. प्रभाकर, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने किया। स्वागत संबोधन श्री देवाशीष मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक द्वारा किया गया। केनरा बैंक में राजभाषा कार्यान्वयन पर श्री एच.एम. बसवराज, उप महा प्रबंधक ने पावर पॉइंट प्रस्तुति दी जिसमें उन्होंने जोर देकर कहा कि केनरा बैंक सीबीएस को द्विभाषी करने वाला पहला बैंक है। वर्तमान में केनरा बैंक के सभी अंचल और क्षेत्रीय कार्यालय अपनी तिमाही प्रगति रिपोर्ट को ऑनलाइन प्रस्तुत कर रहे हैं। 'केनरा ज्योति' के 28वें अंक और 'श्रेयस' के 277वें अंक का विमोचन मुख्य अतिथि और मंचासीन गणमान्यों द्वारा किया गया एवं "हिंदी है देश का गौरव, इसका प्रयोग करें सदैव" नारे की भी घोषणा की गई। इसके बाद श्री एल.वी. प्रभाकर, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने संबोधित करते हुए केनरा बैंक में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के प्रगामी प्रयोग को लेकर राजभाषा सचिव को आश्चस्त किया।

डॉ. सुमीत जैरथ, आई.ए.एस., राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय ने अपने संबोधन में केनरा बैंक द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में किए जा रहे नवोन्मेषी और उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। उन्होंने राजभाषा विभाग की गृह पत्रिका 'राजभाषा भारती' में अपने मौलिक लेख "12 'प्र' से किया जा सकता है राजभाषा हिंदी का समुचित विकास" का विस्तार पूर्वक जिक्र किया। उन्होंने बैंकों में राजभाषा कार्यान्वयन को लागू करने की अभिप्रेरणा भी प्रदान की। केनरा बैंक के द्वारा राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में किए जा रहे अभिनव प्रयासों, खासकर प्रत्येक तिमाही में आयोजित 'हिंदी में परिचर्चा कार्यक्रम' और बैंक द्वारा हिंदी में पीएच.डी. एवं उच्चतर योग्यताएँ प्राप्त करने वाले प्रत्येक कर्मचारी को प्रोत्साहन राशि देने की योजना को भी उन्होंने सराहा।

कार्यक्रम में उपस्थित श्री राजेश श्रीवास्तव, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग ने विभाग द्वारा शुरु किए गए अनुवाद टूल 'कंठस्थ' के बारे में, श्री विक्रम सिंह सोढी, सहायक निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान ने राजभाषा विभाग के द्वारा हिंदी सीखने के लिए शुरू किए गए 'लीला' एप के बारे में और श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण) ने 'यूनिकोड और तकनीकी टूल' पर प्रस्तुति दी। इसके पश्चात 'खुले सत्र' के दौरान मुख्य अतिथि के साथ उपस्थित व ऑनलाइन से जुड़े अधिकारियों को राजभाषा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान किया गया। सुश्री ए मणिमेखलै, कार्यपालक निदेशक ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिवानी तिवारी, प्रबंधक, राजभाषा के द्वारा किया गया।

## कार्यक्रम की झलकियाँ













